राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

02 सितम्बर 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 20

रे मम्मा रे

आज की कविता

पापा को मम्मी ने कुछ काम सौंपा है । पर पापा सब उल्टा पुलटा कर देते हैं । आलू लेने जाते हैं और भालू लेकर लौटते हैं , लड्डू लेने जाते हैं तो टट्टू ही उनके पीछे पद जाता है । अब जब वो रोटी लेने बाजार गए हैं तो क्या होगा ? हम सबके लिए मजेदार कुछ होने वाला है । देखते है बाजार में और फिर घर में क्या हंगामा मचता है? चित्र पर क्लिक कीजिए

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Jingle Toons

पिशी फंसी तूफ़ान में

आज की कहानी

पिशी एक विशाल मंता रे मछली थी। एक बार, जब वह हिंद महासागर में एक बड़े तूफान में फंस गई, तो अनुमान लगाएं कि उसे बचाने के लिए कौन आया था? एक नाटकीय कहानी पढने और सुनने के लिए इस एनीमेशन बुक में गोता लगाएँ और कहानी का आनंद ले । चित्र पर क्लिक कर पढ़े।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

फुलिया और मुनिया

आज की किताब

फुलिया और मुनिया एक लड़के के अपनी बकरी के प्रति प्रेम और अपनी बीमार बकरी को ठीक करने के प्रयास की कहानी है। जब मुनिया बीमार पड़ जाता है तो फुलिया चिंता में डूब जाता है। फुलिया ने अपनी बकरी को पशुचिकित्सक के पास लाने का एक तरीका खोजा। जानने के लिए चित्र पर क्लिक कर कितन पढ़ें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

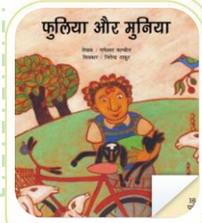

कठपुतली

आज की गतिविधि

कठपुतलियों को नाचता हुआ देखना और कठपुतली नचाना किसे अच्छा नहीं लगता । यह चलती-फिरती, ताली बजाती कठपुतली स्क्रैप सामग्री से बनाई जा सकती है। एक पुरानी गेंद में समकोण पर दो छड़ियाँ लगी हुई हैं। छड़ियों से पाँच तार जुड़े होते हैं - एक कठपुतली से, दो हाथों से और दो पैरों से। कठपुतली बनाने की गतिविधि का विडियो देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

बहुभाषिता

टीचर्स कॉर्नर

भाषा में विविधता, लक्षित भाषा सीखने की राह में एक बाधा समझी जाती है । कक्षाओं में, विशेषकर भाषा की कक्षाओं में एकभाषावाद का चलन ज्यादा देखने को मिलता है । एकभाषिता की जगह कक्षाओं में बहुभाषिता के उपयोग की पैरवी करते हुए रमाकांत अग्निहोत्री बहुभाषिता के महत्वपूर्ण पक्ष को इस आलेख में उजागर कर रहे है। आलेख पढने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Shaikshanik Sandarbh

'फेरीवाले' के मायने

हमारा पुस्तकालय

वैसे तो कविता लिखना ही मुश्किल है, लेकिन बच्चों के लिए लिखना, और अच्छा लिखना, सबसे मुश्किल काम है। बच्चों के लिए लिखने और बाक़ी सब लिखने में सबसे बड़ा फ़र्क़ यह है कि बच्चों के लिए कविता स्वत:स्फूर्त नहीं हो सकती, न केवल उच्छ्वास हो सकती है। 'फेरीवाले' हमारी रोज ब रोज की ज़िन्दगी के एक पात्र की कविता है। चित्र पर क्लिक कर पढ़े अरुण कमल की यह समीक्षा।

शिक्षकों के लिए। Parag

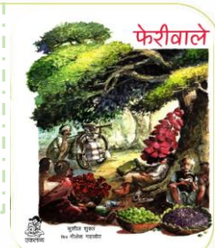

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 175वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।